UP Board Important Questions Class 9 अर्थशास्त्र Chapter 2 संसाधन के रूप में लोग Arthashastra

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
मानव पूँजी से आपका क्या अभिप्राय है?
उत्तर:
मानव पूंजी कौशल और उसमें निहित उत्पादन के ज्ञान का स्टॉक है।

प्रश्न 2.
मानव पूँजी के निर्माण में शिक्षा की क्या भूमिका है?
उत्तर:
शिक्षित व्यक्ति अधिक उत्पादक और कुशल होते हैं।

प्रश्न 3.
सन् 2014 में भारत की जीवन प्रत्याशा क्या थी?
उत्तर:
68.3 वर्ष।

प्रश्न 4.
अधिक जनसंख्या का एक सकारात्मक पहलू बताइए।
उत्तर:
अधिक जनसंख्या में शिक्षा, प्रशिक्षण एवं स्वास्थ्य में निवेश कर अधिक मानव पूँजी का निर्माण किया जा सकता है।

प्रश्न 5.
समाज में कार्यरत ऐसे दो व्यक्तियों का उदाहरण दीजिए जिन्हें मानव पूँजी कहा जा
सकता है।
उत्तर"

- डॉक्टर
- अध्यापक।

प्रश्न 6.
प्राथमिक क्षेत्रक में किन-किन आर्थिक क्रियाओं को शामिल किया जाता है?
उत्तर:
प्राथमिक क्षेत्रक में कृषि, वानिकी, पशुपालन, मत्स्यपालन, मुर्गीपालन, खनन आदि को शामिल किया जाता है।

प्रश्न 7.
द्वितीयक क्षेत्रक में किन क्रियाओं को शामिल किया जाता है?
उत्तर:
द्वितीयक क्षेत्रक में उत्खनन और विनिर्माण को शामिल किया जाता है।

प्रश्न 8.
तृतीयक क्षेत्रक में शामिल आर्थिक क्रियाओं का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।
उत्तर:
तृतीयक क्षेत्रक में मुख्य रूप से व्यापार, परिवहन, संचार, बैंकिंग, बीमा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन आदि को शामिल किया जाता है।

प्रश्न 9.
गैर-बाजार क्रियाओं से आपका क्या अभिप्राय है?
उत्तर:
गैर-बाजार क्रियाओं से अभिप्राय स्व-उपभोग के लिए उत्पादन तथा कार्य करना है।

प्रश्न 10.
बाजार क्रियाओं से आपका क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
बाजार क्रियाओं में वेतन या लाभ के उद्देश्य से की गई वे क्रियाएँ शामिल हैं जिनके लिए पारिश्रमिक का भुगतान किया जाता है।

प्रश्न 11.
बाजार में किसी व्यक्ति की आय के निर्धारक कोई दो घटक बताइए।
उत्तर:

- शिक्षा
- कौशल।

प्रश्न 12.
संसाधन के रूप में जनसंख्या की गुणवत्ता के कारक बताइये।
अथवा
जनसंख्या की गुणवत्ता किन तत्वों पर निर्भर करती है?
उत्तर:
जनसंख्या की गुणवत्ता साक्षरता दर, जीवन प्रत्याशा से निरूपित व्यक्तियों के स्वास्थ्य और देश के लोगों द्वारा प्राप्त कौशल निर्माण पर निर्भर करती है।

प्रश्न 13.
भारत में वर्ष 2011 में साक्षरता दर कितनी थी?
उत्तर:
भारत में वर्ष 2011 में साक्षरता दर 74 प्रतिशत थी।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 14.
भारत में स्कूली शिक्षा से सम्बन्धित किसी एक सरकारी कार्यक्रम का नाम लिखिए।
उत्तर:
सर्व शिक्षा अभियान।

प्रश्न 15.
जन्म-दर का क्या अभिप्राय है?
उत्तर:
जन्म-दर का अभिप्राय एक विशेष अवधि में प्रति एक हजार व्यक्तियों के पीछे जन्म लेने वाले शिशुओं की संख्या से है।

प्रश्न 16.
मृत्यु-दर का क्या अभिप्राय है?
उत्तर:
मृत्यु-दर से अभिप्राय एक विशेष अवधि में प्रति एक हजार व्यक्तियों के पीछे मरने वाले व्यक्तियों की संख्या से है।

प्रश्न 17.
बेरोजगारी का क्या अभिप्राय है?
उत्तर:
बेरोजगारी का तात्पर्य उस स्थिति से है जिसमें योग्य एवं इच्छुक व्यक्तियों को प्रचलित दर पर रोजगार उपलब्ध न हो।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
"दूसरे संसाधनों की भाँति ही जनसंख्या भी एक संसाधन है।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं? स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
हम इस कथन से सहमत हैं कि दूसरे संसाधनों की भाँति ही जनसंख्या भी एक संसाधन है। जनसंख्या देश के उत्पादन का एक महत्त्वपूर्ण साधन भी है। यदि हम जनसंख्या पर शिक्षा, प्रशिक्षण। तो मानव पूँजी का निर्माण किया जा सकता है तथा जनसंख्या को मानव पूंजी में परिवर्तित कर उसे अधिक कुशल एवं उत्पादक बनाया जा सकता है। मानव पूँजी निर्माण भी भौतिक पूँजी निर्माण की ही भाँति देश की उत्पादन शक्ति में वृद्धि करता है । मानव पूँजी निर्माण का देश के विकास एवं संवृद्धि में महत्त्वपूर्ण योगदान है अत: दूसरे संसाधनों की भाँति ही जनसंख्या भी एक संसाधन है।

प्रश्न 2.
मानव पूंजी का निर्माण किस प्रकार किया जा सकता है?
उत्तर:
मानव पूँजी का निर्माण निम्न प्रकार से किया जा सकता है-

- मानव संसाधन अथवा मानव पूँजी निर्माण हेतु शिक्षा में निवेश किया जाना चाहिए, शिक्षित व्यक्ति अधिक उत्पादक एवं कुशल होते हैं।
- स्वास्थ्य में निवेश करके मानव पूँजी का निर्माण किया जा सकता है, स्वस्थ व्यक्ति अस्वस्थ व्यक्ति की तुलना में अधिक उत्पादक होता है।

- श्रमिकों के लिए प्रशिक्षण में निवेश कर उन्हें मानव पूँजी में परिवर्तित किया जा सकता है, प्रशिक्षण से उनकी कुशलता में वृद्धि होती है।
- विभिन्न क्षेत्रों में वैज्ञानिक अनुसंधान पर व्यय करके भी मानव पूँजी का निर्माण किया जा सकता है।

प्रश्न 3.
मानव पूँजी निर्माण से अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले कोई चार सकारात्मक प्रभाव बताइए।
उत्तर:

- मानव पूँजी निर्माण से अधिक जनसंख्या को भी उत्पादन के साधन के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है।
- मानव पूँजी निर्माण से व्यक्तियों को अधिक उत्पादक एवं अधिक कुशल बनाया जा सकता है।
- मानव पूँजी निर्माण के माध्यम से लोगों को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध होते हैं जिससे देश में बेरोजगारी की समस्या का समाधान होता है।
- मानव पूँजी निर्माण के फलस्वरूप मनुष्य उत्पादन के अन्य संसाधनों का अधिक कुशलता से उपयोग कर सकता है जिससे उत्पादक एवं उत्पादकता में वृद्धि होती है।

प्रश्न 4.
शिक्षित माता-पिता का बच्चों के भविष्य पर क्या प्रभाव पड़ता है?
उत्तर:
मानव पूँजी निर्माण हेतु शिक्षा महत्त्वपूर्ण स्रोत है। यदि किसी बच्चे के माता-पिता शिक्षित हैं तो वे शिक्षा के महत्त्व को समझते हैं तथा वे बच्चों की शिक्षा पर अधिक निवेश करते हैं। वे बच्चों के उचित पोषण और स्वच्छता के प्रति भी सचेत रहते हैं। इस प्रकार वे अपने बच्चों की शिक्षा और अच्छे स्वास्थ्य की आवश्यकताओं का भी ध्यान रखते हैं। इस प्रकार वे बच्चे बड़े होकर देश के लिए मानव पूँजी होते हैं जिनका लाभ सम्पूर्ण समाज को मिलता है तथा स्वयं बच्चों को भी मिलता है। वे अधिक उत्पादक एवं कुशल होते हैं अतः उनकी आय भी अधिक होती है जिससे उनका जीवन स्तर भी ऊँचा रहता है।

प्रश्न 5.
भारत में शिक्षा के विकास हेतु सरकार द्वारा किए गए प्रयासों को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
भारत में विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं में शिक्षा पर अधिक धनराशि व्यय की गई है। प्रथम पंचवर्षीय योजना में शिक्षा पर 151 करोड़ रुपये का व्यय किया गया। यह धनराशि ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में बढ़कर 3766.90 करोड़ रुपये हो गई है। सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में शिक्षा पर व्यय 1951-52 में 0.64 प्रतिशत से बढ़कर 2015-16 में 3 प्रतिशत (बजटीय अनुमान) हो गया है। इसके अतिरिक्त सरकार ने शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु अनेक कार्यक्रम चलाए हैं। सरकार ने विभिन्न शिक्षण संस्थाओं का भी विस्तार किया है तथा देश में तकनीकी शिक्षा को प्रोत्साहित किया है।

प्रश्न 6.
बेरोजगारी से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
साधारण बोलचाल की भाषा में बेरोजगारी का अभिप्राय किसी व्यक्ति को रोजगार के अवसर प्राप्त न होने से लिया जाता है। अन्य शब्दों में, बेरोजगारी का अर्थ उस व्यक्ति को काम नहीं मिलने से है जो काम करने का इच्छुक एवं

https://www.evidyarthi.in/

योग्य है पर उसकी इच्छा एवं योग्यता के बावजूद उसे काम नहीं मिलता। यदि किसी व्यक्ति को काम मिला हुआ है परन्तु उस काम से उस व्यक्ति के पूरे समय, शक्ति एवं योग्यता का उपयोग नहीं होता है तो उसे अर्द्ध बेरोजगारी कहा जाएगा।

प्रश्न 7.
संक्षेप में बेरोजगारी के प्रभावों को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
भारत में बेरोजगारी एक प्रमख समस्या है तथा अर्थव्यवस्था पर बेरोजगारी के अनेक नकारात्मक प्रभाव पडते हैं। बेरोजगारी के कारण मानवीय संसाधनों की बर्बादी होती है तथा उत्पादक मानव संसाधन भी दायित्व में बदल जाते हैं। लोग बेरोजगारी के कारण अपने व अपने परिवार का भरण-पोषण ठीक प्रकार से नहीं कर पाते हैं । इस कारण समाज के जीवन की गुणवत्ता पर बुरा प्रभाव पड़ता है। बेरोजगारी से निर्धनता एवं अन्य सामाजिक बुराइयों को बढ़ावा मिलता है। बेरोजगारी का अर्थव्यवस्था के विकास एवं संवृद्धि पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

प्रश्न 8.
"सांख्यिकीय रूप से भारत में बेरोजगारी की दर निम्न है, किन्तु वास्तविकता में यह गंभीर समस्या है।" स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
यदि सांख्यिकीय आँकड़ों के आधार पर देखें तो भारत में बेरोजगारी की दर काफी कम है किन्तु वास्तविकता में बड़ी संख्या में निम्न आय और निम्न उत्पादकता वाले लोगों की गिनती नियोजित लोगों में की जाती है। कुछ लोग पूरे वर्ष काम करते हुए प्रतीत होते हैं किन्तु वास्तव में उन्हें पूरा काम नहीं मिलता। उदाहरण के लिए, कृषि में प्रच्छन्न बेरोजगारी पाई जाती है अर्थात् कृषि में आवश्यकता से अधिक लोग कार्य पर लगे होते हैं। अत: वास्तविकता में देश में बहुत से लोगों के पास पूरा एवं योग्यतानुसार कार्य नहीं होता तथा वे निम्न वर्ग में आते हैं किन्तु उन्हें बेरोजगार नहीं माना जाता है।